प्रकाशन तिथि : 01 अगस्त, 2025
प्रेषण तिथि : 04 अगस्त, 2025

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 29 | अंक 10 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

संघकार्य करने से सार्थक होगी पूज्य भगवान सिंह जी की प्रेरणा: संघप्रमुख श्री

(आलोक आश्रम, बाड़मेर में श्री क्षत्रिय युवक संघ की केंद्रीय कार्ययोजना बैठक आयोजित)

आज की बैठक में लग रहा है जैसे कोई रिक्तता है, कोई अभाव है, खालीपन है। इसका कारण पूज्य भगवान सिंह जी की भौतिक उपस्थिति का अभाव है। पूज्य भगवान सिंह जी का अभाव तो हमें सदैव खटकेगा लेकिन जिस प्रकार का पारिवारिक भाव, चरणबद्ध कार्यक्रम और सांचा वे हमको देकर गए हैं उससे लगता है कि वे हमारे साथ ही हैं। हममें से अधिकांश ने पूज्य तनसिंह जी, आयुवान सिंह जी और नारायण सिंह जी को नहीं देखा लेकिन भगवान सिंह जी में ही हमने उन सब का रूप देखा है, अतः हमारे लिए वे ही संघ है, तनसिंह जी है। उनका भौतिक शरीर अब नहीं है, लेकिन प्रेरणा हम उन्हीं से प्राप्त करेंगे और वह प्रेरणा तभी सार्थक होगी जब हम और अधिक गति से संघ कार्य करें। हममें से प्रत्येक व्यक्ति भगवान सिंह जी बनकर कार्य करें। संघ हमारी प्राथमिकता में आ जाए तभी ऐसी सक्रियता आएगी। जैसे अर्जुन को केवल चिड़िया की आंख दिखाई देती थी उसी प्रकार हमें भी संघ के अतिरिक्त कुछ नहीं दिखाई देवें। संघ का कार्य पार्ट टाइम जॉब नहीं है बल्कि फुल टाइम जॉब है। अन्य सभी कार्य हमारे लिए पार्ट टाइम जॉब की तरह होने चाहिए। यह हमारा सौभाग्य है कि हमको संघ का कार्य करने का अवसर मिला है। जैसे भगवान कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को उठाने में ग्वालो को सहयोग करने का अवसर देकर उन्हें सौभाग्यशाली बनाया, ऐसे ही हमें भी संघ ने, पूज्य श्री तनसिंह जी ने इस महान कार्य में सहयोगी होने का अवसर दिया है। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने 20 जुलाई को बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में आयोजित श्री क्षत्रिय युवक संघ की केंद्रीय कार्ययोजना बैठक में उपस्थित दायित्वाधीन सहयोगियों से संवाद करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हम सबको संघ ने जो दायित्व दिया है, उस दायित्व को ग्रहण कर संघ को हमें वहां तक पहुंचाना है जिसकी कल्पना तनसिंह जी ने की है। अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ना पाप है, उस पाप के भागी हम ना बनें, इसलिए संघ हमको बुलाकर हमारा दायित्व याद दिला रहा है। प्रत्येक व्यक्ति यह सोचें कि यदि मैं कार्य नहीं करूंगा तो संघ नहीं चलेगा। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

संघ रूपी विश्वविद्यालय के प्रथम स्नातक थे श्रद्धेय नारायण सिंह जी

(श्रद्धा व उत्साह से मनाई तृतीय संघप्रमुख श्रद्धेय नारायण सिंह जी रेडा की जयंती)

पूज्य तनसिंह जी के लिए हम यह कह सकते हैं कि वे प्रारंभ से ही असाधारण थे और उन्होंने अपने जीवन में जो किया वह सब असाधारण ही था। लेकिन जो साधारण व्यक्ति है वो कैसे असाधारण बने, जो अशिक्षित है वो कैसे शिक्षित बने? उसके लिए ही विद्यालय और विश्वविद्यालय निर्मित किए जाते हैं। पूज्य श्री तनसिंह जी ने भी अपनी असाधारणताओं को अन्य लोगों को उपलब्ध कराने के लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ रूपी विश्वविद्यालय की स्थापना की। नारायण सिंह जी रेडा इस विश्वविद्यालय के प्रथम ऐसे स्नातक थे जिन्होंने उस हेतु को पूर्ण किया जिस हेतु के लिए इस विश्वविद्यालय का निर्माण तनसिंह जी ने किया। उन्होंने जीवन के परम उद्देश्य की प्राप्ति के लिए निर्मित इस मार्ग की सत्यता को प्रमाणित कर दिया, इसे एक अनुभूत मार्ग बना दिया। सुनी-सुनाई बात की बजाय जो अनुभूत बात होती है वह अधिक प्रेरणा देती है। श्रद्धेय नारायण सिंह जी भी हम सभी को संघमार्ग पर चलने की ऐसी ही प्रेरणा देकर गए। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह जी बैण्याकाबास ने 30 जुलाई को गुजरात के सुरेंद्रनगर में स्थित शक्ति मंदिर में आयोजित श्रद्धेय नारायण सिंह जी रेडा के जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि नारायण सिंह जी के व्यक्तित्व में ऐसा आकर्षण था कि जो एक बार भी उनके संपर्क में आता था वो उनका ही हो जाता था। मात्र 10 वर्ष की आयु में वे पहली बार संघ के शिविर में आए। उन्होंने उस छोटी सी आयु में ही संघ के महत्त्व को समझ लिया और लगातार शिविरों में आने लगे। जब तनसिंह जी को उन्होंने देखा तो उन्होंने उन्हें पहचान लिया और मात्र 19 वर्ष की आयु में उनके साथ रहने का निर्णय कर लिया। तनसिंह जी ने भी उन्हें पहचान लिया और अपने साथ ले लिया। पूज्य तनसिंह जी के साथ में रहना कोई सरल काम नहीं था क्योंकि वे अपने साथ रहने वालों को मांजने का काम करते थे, उनको निर्मल करने का काम करते थे।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

विजयवाड़ा, हैदराबाद, विशाखापट्टनम व पुणे में कार्ययोजना बैठकें

श्री क्षत्रिय युवक संघ के शेष दक्षिण भारत संभाग में विस्तृत कार्यक्षेत्र को देखते हुए अलग-अलग शहरों में कार्ययोजना बैठकें आयोजित की गईं। संभाग प्रमुख नीरसिंह सिंघाना व वरिष्ठ स्वयंसेवक पाबूदान सिंह दौलतपुरा सभी बैठकों में उपस्थित रहे। पुणे व पिम्परि चिंचवड़ प्रांत की संयुक्त कार्ययोजना बैठक 11 जुलाई को गणेश पैठ पुणे के श्री अक्कलकोट स्वामी समर्थ मंदिर में आयोजित हुई। बैठक में पुणे प्रान्त प्रमुख रघुनाथ सिंह बैण्याकाबास व पिम्परि चिंचवड़ प्रान्त प्रमुख ओंकार सिंह पांचोटा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे और दोनों प्रांतों की वार्षिक कार्ययोजना तैयार की। विजयवाड़ा में कार्ययोजना बैठक 12 जुलाई को आयोजित हुई जिसमें पवन सिंह बिखरनिया, गोपाल सिंह चारनीम, गोपाल सिंह भिंयाड और विजयवाड़ा के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। बैठक में गोपाल

सिंह चारनीम ने समाजसेवक की परिभाषा बताई एवं गोपाल सिंह भिंयाड ने शाखा के स्वरूप एवं उसके महत्व के बारे में बताया। हैदराबाद की कार्ययोजना बैठक व शाखा स्नेहमिलन का आयोजन भी 12 जुलाई सिकंदराबाद में हुआ जिसमें हैदराबाद की शाखाओं के स्वयंसेवक शामिल हुए। पवनसिंह बिखरनिया ने शाखा और शिविर के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया के बारे में बताया और कहा कि निरंतर शाखा में आने पर ही हम संघ को सही रूप में समझ सकते हैं। राम सिंह चारनीम ने कहा कि संस्कारित एवं सुव्यवस्थित जीवन सभी को प्रेरणा देता है। इसलिए अपने जीवन से बुराइयों को त्यागें और अच्छाइयों को अपनाएं। राजपूत समाज के अध्यक्ष रतन सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। विशाखापट्नम (आंध्रप्रदेश) प्रान्त में कार्ययोजना बैठक व स्नेहमिलन कार्यक्रम 13 जुलाई को आयोजित हुआ। संभाग प्रमुख नीरसिंह सिंघाना ने पूज्य श्री तनसिंह जी के द्वारा बताई गई क्षत्रिय की परिभाषा बताते हुए कहा कि जो दूसरों के लिए जिए, वही क्षत्रिय है। हमें ईश्वर ने क्षत्रिय के घर मे जन्म दिया है तो हमारा दायित्व है कि हम क्षात्रधर्म का पालन करें। उन्होंने संघ के आदर्श स्वयंसेवक की जीवन शैली कैसी होनी चाहिए, यह भी समझाया। बैठक में गोपालसिंह चारनीम, गोपालसिंह भियांड और विशाखापट्नम के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

हिसार प्रांत के स्वयंसेवकों की दो दिवसीय मेवाड़ यात्रा

श्री क्षत्रिय युवक संघ के हिसार प्रांत में आयोजित हुए विभिन्न शिविरों के शिविरार्थियों द्वारा 12 व 13 जुलाई को हल्दीघाटी, कुम्भलगढ़ एवं उदयपुर की यात्रा की गई। यात्रा का उद्देश्य वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की शौर्य-भूमि को निकटता से अनुभव करना एवं उनके बलिदान व पराक्रम से प्रेरणा लेना रहा। प्रथम दिन कुंभलगढ़ दुर्ग, हल्दीघाटी संग्रहालय, हल्दीघाटी का मैदान और चेतक की समाधि के दर्शन किए। चेतक के समाधि स्थल पर पूज्य तनसिंह जी द्वारा रचित पुस्तक 'होनहार के खेल' के प्रकरण 'चेतक की समाधि' का पठन किया गया। यात्रा के दूसरे दिन उदयपुर में रेलवे ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट, सुखाड़िया सर्किल, सहेलियों की बाड़ी, फतहसागर झील, पिछोला झील, सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क एवं गुलाब बाग आदि स्थलों का

भ्रमण किया गया। यात्रा में शामिल सभी स्वयंसेवकों को हल्दीघाटी की मिट्टी से बना विशेष मोमेंटो भी भेंट किया गया। यात्रा में हिसार शहर, ढिंगसरा, सारंगपुर, तलवंडी रुक्का, नंगथला, राजगढ़ (चूरू) के मिठड़ी व रामपुरा, पिलानी (झुंझुनूं) के छापड़ा, लिखवा व बनगोठड़ी तथा महेन्द्रगढ़ जिले के श्यामपुरा, जड़वा ढाणी, डिगरोता, ढाणा और खेड़ी आदि स्थानों से लगभग 45 स्वयंसेवक शामिल हुए। श्री क्षत्रिय युवक संघ के हिसार प्रांत प्रमुख अरविंद सिंह बालवा, चरण सिंह गिडानिया, बसंत सिंह गुढ़ा एवं हरि सिंह मिठड़ी यात्रा में साथ रहे।

चित्तौड़गढ़ में प्रांतीय कार्ययोजना बैठक व विशेष शाखा का आयोजन

चित्तौड़गढ़ की प्रांतीय कार्ययोजना बैठक 13 जुलाई को चित्तौड़गढ़ स्थित भूपाल राजपूत छात्रालय परिसर में आयोजित हुई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली के निर्देशन में आयोजित बैठक में वर्षभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं तिथियां निर्धारित की गई। प्रांत प्रमुख दिलीप सिंह रूद द्वारा प्रांत के पांचों मंडलों में मंडल प्रमुखों व अन्य सहयोगियों का दायित्व निश्चित किया गया। वर्ष भर में होने वाले शिविरों के स्थान व तिथियां, शाखाओं व जयंतियों के स्थान, स्नेह मिलन, संपर्क यात्राओं तथा संघशक्ति व पथप्रेरक सदस्यता आदि की जिम्मेदारियां तय की गईं। बैठक से पूर्व विशेष शाखा व सामूहिक यज्ञ का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ स्वयंसेवक बालूसिंह जगपुरा, भूपाल शिक्षा समिति के अध्यक्ष नरपत सिंह भाटी सहित अन्य सहयोगी व समाजबंधु उपस्थित रहे।

दक्षिण मुंबई प्रान्त की शाखाओं का एकदिवसीय भ्रमण

दक्षिण मुंबई प्रान्त की शाखाओं के स्वयंसेवको द्वारा 13 जुलाई को एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम रखा गया जिसमें सभी ने अंबरनाथ में स्थित पौराणिक शिव मंदिर के दर्शन किए एवं वहां स्थित पहाड़ियों के झरनों में स्नान का आनंद लिया। कार्यक्रम में प्रान्त प्रमुख देवीसिंह झलोडा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

जोधपुर में प्रिंट तथा डिजिटल मीडिया कार्यकर्ताओं की बैठक

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की जोधपुर इकाई के द्वारा जोधपुर जिले में प्रिंट तथा डिजिटल मीडिया के क्षेत्र में कार्यरत समाजबंधुओं की बैठक 12 जुलाई को जोधपुर स्थित श्री क्षत्रिय युवक संघ के कार्यालय 'तनायन' में आयोजित की गई। बैठक के प्रारंभ में श्री क्षत्रिय युवक का संघ परिचय दिया गया एवं फाउंडेशन के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में बताया गया। तत्पश्चात सामाजिक दृष्टि से मीडिया की महत्वता विषय पर विस्तार से चर्चा की गई जिसमें सभी सहभागियों ने विभिन्न मीडिया माध्यमों में समाज की मजबूत उपस्थिति के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही। बैठक में संघ के बिलाड़ा-भोपालगढ़ प्रांत प्रमुख चैन सिंह साथीन, वरिष्ठ स्वयं सेवक तेज सिंह सोवनिया, फाउंडेशन के जिला सदस्य वीरेंद्र सिंह बलरिया सहित महेंद्र सिंह साथीन, भंवर सिंह नाथडाऊ, दिलावर सिंह केतू, आईदान सिंह पीलवा, कवराज सिंह सेतरावा, सवाई सिंह खारी बेरी, जितेंद्र सिंह गेलावास, रघुवीर सिंह चांदसमा सहित विभिन्न समाचार पत्रों के पत्रकार तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्य करने वाले प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा अपने विचार साझा किए।

भक्त शिरोमणि माता मीराबाई के प्रति कृतार्थता की अभिव्यक्ति

(श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा तीन दिवसीय 'मीरा दर्शन यात्रा' का आयोजन)

भक्त शिरोमणि माता मीराबाई को नमन करने एवं उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व के सभी पक्षों को उजागर करने के उद्देश्य से श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा 25 से 27 जुलाई तक 'मीरा दर्शन यात्रा' का आयोजन किया गया। यह यात्रा मेडता स्थित भक्त शिरोमणि मीरा बाई स्मारक (पैनोरमा) राव दूदा गढ़ से प्रारंभ होकर तीर्थराज पुष्कर, जयपुर एवं बृज भूमि से होते हुए मीरा मंदिर वृन्दावन में पहुंच कर सम्पन्न हुई। 25 जुलाई को यात्रा के प्रारंभ पर मेडता स्थित श्री चारभुजा नाथ मंदिर परिसर में पूजा अर्चना के बाद राव दूदा गढ़ में यज्ञ किया गया। इस अवसर पर श्री क्षत्रिय युवक संघ के केन्द्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने यात्रा की भूमिका बताते हुए कहा कि माता मीराबाई का स्मरण मात्र हमारे भीतर भक्ति की स्फुरणा पैदा कर देता है। इतिहास में सशरीर ईश्वर में विलीन हो जाने का उदाहरण माता मीराबाई का है। यह विडंबना ही है कि ऐसी महान भक्त के जीवन के सभी पक्षों को सामने नहीं रखा जाता और इसी कारण उनके जीवन के बारे में अनेक भ्रांतियां भी जनमानस में प्रचलित हो गई हैं। ऐसी भ्रांतियों को दूर करने और माता मीराबाई के महान व्यक्तित्व के साथ साथ उनकी भक्ति यात्रा में सहयोगी बनने वालों को भी हम सभी जानें, इसी उद्देश्य से इस यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। मीरा जी के जीवन के बारे में एक बड़ी भ्रांति यह प्रचलित है कि उनके परिवार द्वारा सदैव उनकी भक्ति में बाधा दी गई, जबकि वास्तव में मीरा जी के संपूर्ण जीवन में केवल 2 वर्ष का काल ऐसा रहा जब मेवाड़ के 14 वर्षीय शासक विक्रमादित्य की उद्दंडता के कारण उनकी भक्ति के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां बनी और ऐसा विक्रमादित्य पर बनवीर के प्रभाव के कारण हुआ। उसके अतिरिक्त मीरा जी के जीवन के प्रत्येक कालखंड में उनके परिवार जनों ने उनकी भक्ति में सहयोग किया चाहे वे मीरा के दादा राव दुदा जी हो, बड़े पिता वीरमदेव जी हो, पिता रतन सिंह जी हो अथवा उनके भाई जयमल जी हो। इनसे भी अधिक सहयोग मेवाड़ के राजकुंवर भोजराज ने किया जिन्होंने मीरा जी की भगवान कृष्ण के प्रति भक्ति और प्रेम को जानकर उन्हें वचन दिया कि वह उनके शिष्य और सखा बनकर रहेंगे और कभी भी उनका स्पर्श नहीं करेंगे। इस वचन को उन्होंने जीवन पर्यंत निभाया। इसलिए यदि भोजराज जी को भीष्म पितामह से भी अधिक दृढ़व्रती कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। मीरा जी के ससुर महाराणा सांगा ने भी सदैव मीरा जी और उनकी भक्ति भावना का सम्मान किया। भोजराज जी के देहावसान के पश्चात उनके छोटे भाई रतन सिंह जी ने भी सभी प्रकार के दबावों के विरुद्ध मीरा जी का संरक्षण किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन सभी बातों की उपेक्षा कर कथावाचकों और पुजारियों द्वारा मीरा जी पर अत्याचार की बात, जो केवल एक छोटे काल के लिए ही सत्य थी, को ही प्रमुखता से प्रचारित किया जाता है। एक दूसरी भ्रांति मीरा जी के बारे में यह भी प्रचारित की जाती है कि वह मर्यादाएं तोड़ने वाली और विद्रोही थी जबकि मीरा जी ने अपने जीवन में कभी किसी भी मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया। उन्होंने ईश्वर की आराधना को सर्वाधिक प्राथमिकता अवश्य दी किंतु वह आराधना उन्होंने सभी पारिवारिक, सामाजिक और क्षात्र मर्यादाओं का पालन करते हुए ही की। इसलिए माता मीराबाई के जीवन के बारे में प्रचलित भ्रांत धारणाओं का उन्मूलन कर हमें उनके सही जीवन चरित्र के बारे में जानकर कृतार्थ होना चाहिए। उन्होंने सभी से सौभाग्य कुंवरी राणावत द्वारा लिखित पुस्तक 'मीरा चरित' भी पढ़ने का निवेदन किया। मेडता विधायक लक्ष्मण राम कलरू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि माता मीरा हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है और हमें इनके जीवन से सीखकर आगे बढना है। कांग्रेस नेता एवं पूर्व राज्य मंत्री धर्मेन्द्र राठौड़ ने कहा कि हमें मीरा जी के वास्तविक इतिहास को जानकर व समझकर आगे अधिकतम लोगों तक पहुंचने का कार्य करना है जिससे उनके बारे में प्रचलित भ्रांतियां दूर हो सकें। नगर पालिका अध्यक्ष शोभा लाहोटी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि मीरा नगरी मे माता मीरा के प्रति भक्ति भाव वाली इस 'मीरा दर्शन यात्रा' का आयोजन हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। मीरा महोत्सव समिति के अध्यक्ष जितेंद्र सैनी ने कहा कि मेड़ता में आयोजित होने वाले मीरा महोत्सव में सभी जाति धर्म के लोग सात दिन तक अनवरत भजन कीर्तन करते हुए मां मीरा के प्रति अपनी श्रद्धा का प्रकटीकरण करते हैं। ये मीरा दर्शन यात्रा सामाजिक समरसता का आयोजन है जो क्षेत्रवासियों सहित सभी भक्तों के लिए प्रेरित करने वाला है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने भी कार्यक्रम को सभी के लिए प्रेरक बताते हुए कहा कि हम सभी को मीरा चरित को हर घर तक पहुंचाने में सहयोगी बनना होगा। कार्यक्रम के पश्चात सभी सहयोगियों ने रथयात्रा को पुष्प वर्षा के साथ रवाना किया एवं पूरे शहर मे जगह-जगह शहरवासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर रथयात्रा का स्वागत किया गया।

(यात्रा के शेष समाचार अगले अंक में प्रकाशित किए जाएंगे।)

चूड़ासमा राजपूत समाज की वार्षिक सभा में पू. भगवान सिंह जी को दी श्रद्धांजलि

गुजरात के अहमदाबाद जिले के धोलेरा कस्बे में स्थित रा' भवन में धंधुका क्षेत्र के चूड़ासमा राजपूत समाज की वार्षिक आम सभा 13 जुलाई को आयोजित हुई। सभा के दौरान श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक पूज्य भगवान सिंह जी रोलसाहबसर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय अजीत सिंह जी धोलेरा ने स्वर्गीय भगवान सिंह जी का संक्षिप्त परिचय दिया एवं संघशक्ति के जून 2025 अंक में प्रकाशित उनके उद्बोधन का पठन किया। उन्होंने माननीय भगवान सिंह जी के प्रेरक व्यक्तित्व के बारे में बताते हुए कहा कि भगवान सिंह जी ने पूज्य तनसिंह जी के दर्शन के अनुरूप जीवन जीते हुए अपने साथियों और अनुगामियों को भी श्रेष्ठ जीवन जीने की राह बताई। उन्होंने श्री क्षत्रिय युवक संघ के संघप्रमुख और संरक्षक के रूप में कार्य करते हुए सामाजिक क्षेत्र में एक विशिष्ट पहचान स्थापित की थी और अनेक व्यक्तियों के जीवन को गहराई से प्रभावित किया था। चूड़ासमा राजपूत समाज के प्रमुख जयवीर सिंह भड़ियाद, गुजरात के पूर्व शिक्षा मंत्री भूपेंद्र सिंह, ठाकुर वीरभद्र सिंह आदि ने भी भगवान सिंह जी को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें नमन किया। बैठक में संस्था का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, साथ ही सर्वसम्मति से संस्था की कार्यकारिणी का भी पुनर्गठन किया गया। संस्था द्वारा संचालित विद्यालय के प्रबंधक सहदेव सिंह धोलेरा द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में भाल क्षेत्र के 38 गांवों के समाजबंधु मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे।

साणंद में मनाया 17वां सरस्वती सम्मान समारोह

श्री राजपूत विकास संघ, साणंद द्वारा 17वाँ सरस्वती सम्मान समारोह साणंद स्थित नगर पालिका हॉल में 20 जुलाई को आयोजित किया गया जिसमें विशेष उपलब्धियां प्राप्त करने वाले 66 विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की शुरूआत में पूज्य श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप सचिव संकेत सिंह वाघेला ने कहा कि इस समारोह में सम्मानित होने वाले विद्यार्थी पूरे समाज के गौरव हैं। माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा के लिए बहुत त्याग करते हैं, उस त्याग का मोल विद्यार्थियों को अपने परिश्रम से चुकाना चाहिए, तभी उनके सपने सार्थक होंगे। उन्होंने कहा कि अपने परिजनों, समाज और राष्ट्र की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए हम जिस भी क्षेत्र में जाएँ, उसमें सर्वश्रेष्ठ बनें। लेखा अधिकारी सहदेव सिंह सोलंकी ने कहा कि समाज संगठित होगा तो ही राष्ट्र का भी निर्माण होगा। छात्रों को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिना निराश हुए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। युवा शक्ति ही समाज की आशाओं को पूरा कर सकती है। संस्कार विद्यालय के सेवानिवृत्त आचार्य उमेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि यह संस्था मानव संसाधन संवर्धन के लिए जो कार्य कर रही है, वह सराहनीय है। छात्रों में इस बारे में जागरूकता और समझदारी विकसित करनी चाहिए कि किस प्रकार वे अपनी क्षमताओं का सही उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने छात्रों को व्यसन से दूर रहने की बात कही। कार्यक्रम में साणंद तहसील से राजपूत समाज के सामाजिक एवं राजकीय अग्रणी, युवा, मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे। श्री राजपूत विकास संघ के प्रमुख हरपाल सिंह खोड़ा, शिक्षा संयोजक जिलुभा झाला, मंत्री शक्तिसिंह काणेटी ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी एवं विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में समाज बंधुओं द्वारा साणंद में राजपूत समाज भवन के निर्माण का प्रस्ताव भी रखा गया।

संपादकीय

सज्जनता में भीरूता नहीं सक्रियता लाएं

सज्जनता एक सद्गुण है जो व्यक्ति और समाज के लिए स्पृहणीय भी है और सम्माननीय भी है। सदाचारी और सभी के लिए हितकारी जीवन जीना सज्जनता की परिभाषा मानी जाती है। श्रेष्ठ और सज्जन व्यक्ति, परिवार और समाज से सदैव मयार्दाओं की पालना की अपेक्षा की जाती है, किसी भी प्रकार की अनैतिक व अविधिक गतिविधियों से दूर रहने की अपेक्षा की जाती है और केवल सकारात्मक कार्यों में ही नियोजित होना उनकी प्रतिष्ठा के अनुरूप माना जाता है। किंतु वास्तव में यह सज्जनता का केवल एक पक्ष है। सज्जनता का एक दूसरा पक्ष भी है और वह है - दुर्जनता का विरोध और उन्मूलन। कुछ भी गलत ना करना तो सज्जनता है ही, लेकिन जो गलत हो रहा है उसे रोकना भी सज्जनता का ही एक अंग है। प्रायः: मयार्दानुकूल आचरण के प्रथम पक्ष को ही सज्जनता के पूर्ण स्वरूप के रूप में प्रस्तुत किया जाता है और ऐसा करके दुर्जनता के विरोध रूपी सज्जनता के दूसरे पक्ष को उपेक्षित और गौण बनाने का प्रयास उन तत्वों द्वारा किया जाता है जो अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए एक निर्बाध वातावरण निर्मित करना चाहते हैं। ऐसे तत्व सज्जनता द्वारा दुर्जनता के निरोध हेतु किए गए किसी भी प्रयत्न को कठोर और सज्जनता के विरुद्ध बता कर उसे अनुचित घोषित कर देते हैं। ऐसे ही तत्वों द्वारा सज्जनता को किसी व्यक्ति, संस्था अथवा समाज की शक्ति की अपेक्षा कमजोरी बनाने का प्रयास किया जाता है और वास्तव में यदि सज्जनता केवल अपने प्रथम पक्ष तक सीमित होकर ही रह जाए तो वह कमजोरी बन भी सकती है।

सज्जनता और श्रेष्ठता को किसी व्यक्ति, संस्था और समाज की कमजोरी बनाने के उद्देश्य से ही इस प्रकार के तर्क दिए जाते हैं कि अमुक कार्य या कार्यक्षेत्र सज्जन लोगों के लिए अनुकूल नहीं है। इस तर्क का प्रच्छन्न अर्थ यह है कि उस कार्य तथा कार्यक्षेत्र को तो दुर्जन लोगों के लिए ही छोड़ दिया जाए। वास्तव में तो सभी कार्यक्षेत्र सज्जन लोगों के लिए ही है और दुर्जन लोगों के लिए कोई भी कार्यक्षेत्र नहीं होना चाहिए। राजनीति को लेकर भी प्रायः ऐसी बातें कही जाती हैं कि यह तो भले लोगों के लिए नहीं है, अच्छे लोग राजनीति में टिक नहीं सकते, राजनीति तो कीचड़ है जिसमें उतरना सज्जन लोगों का काम नहीं है आदि। ऐसे ही तर्क अन्य संघर्षपूर्ण क्षेत्रों के लिए भी दिए जाते हैं। किंतु ऐसे तर्क वास्तव में सज्जनता को एक कमजोरी बनाने का ही प्रयास है। सत्य तो यह है कि जीवन का कोई भी क्षेत्र यदि दूषित या अनैतिक हो गया है तो उसे सज्जनता से विलग कर देना उस दूषण और अनैतिकता को प्रसारित होने का निर्बाध अवसर प्रदान करने के समान ही है। उस प्रसार को रोकने और प्रसारित हो चुके दूषण और अनैतिकता के उन्मूलन का दायित्व भी सज्जनता का ही एक अंग है। और यह कार्य उस क्षेत्र से दूर रह कर अथवा उसकी उपेक्षा करके नहीं किया जा सकता बल्कि उस क्षेत्र में उतरकर सक्रिय रूप से अपनी सज्जनता को वहां अभिव्यक्त और स्थापित करने से ही हो सकता है।

वास्तव में समाज का बहुसंख्यक अंश सज्जन ही होता है लेकिन उस सज्जनता को जब एक पक्षीय बना दिया जाता है तब वह भीरूता को प्राप्त होती है और उस भीरूता के कारण समाज का बहुसंख्यक अंश निष्क्रिय हो जाता है। इस निष्क्रियता के परिणामस्वरूप दुर्जनता को प्रसारित होने की पूरी छूट मिल जाती है। वर्तमान युग में सभी ओर ऐसा ही हो रहा है। इसी कारण अनैतिकता, दुराचार, अन्याय और दुर्जनता का सब तरफ प्रसार होता हमें दिखाई दे रहा है लेकिन इसका मुख्य कारण सज्जन लोगों की भीरूता पूर्ण निष्क्रियता ही है। इसी कारण से वर्तमान में अनेक लोगों द्वारा सज्जनता को कायरता का आवरण भी बताया जाने लगा है। इसलिए यह समझना और समझाना बहुत आवश्यक है कि भय सच्ची सज्जनता का अंग कभी नहीं हो सकता। सच्ची सज्जनता दुर्जनता के प्रसार के प्रति निष्क्रिय और उपेक्षापूर्ण भी नहीं हो सकती। अन्यथा दुर्जनता का यह प्रसार अंततः सज्जनता का जीवित रहना भी असंभव बना देगा। अतः सज्जनता का प्रतिनिधित्व करने वाले समाज के अंश को सक्रिय और भयरहित बनाना आज की आवश्यकता है जिससे दुर्जनता का सक्रिय विरोध करके उसे समाप्त किया जा सके। किंतु ऐसा करते समय यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि समाज को सक्रिय और भयरहित बनाने का अर्थ उसे विद्रोही और स्वच्छंद बनाना नहीं है अन्यथा ऐसा प्रयास दुर्जनता की अपेक्षा सज्जनता को ही समाप्त करने वाला बन जाएगा। संघर्ष से भयभीत होकर निष्क्रिय बनना कायरता है किंतु अपने पतन के प्रति सावधानी न रखना भी मूर्खता और दुस्साहस है। इसलिए समाज जागरण के कार्य में इन दोनों पक्षों का ध्यान रखना आवश्यक है। समाज में व्याप्त सज्जनता को पुष्ट और सबल भी बनाना है और साथ ही उसमें से भीरूता को निष्कासित कर उसे सक्रिय भी बनाना है।

श्री क्षत्रिय युवक संघ भी यही दोहरा कार्य कर रहा है। वह समाज के सज्जनता पूर्ण अंश को सज्जन बनाए रखने के लिए श्रेष्ठ जीवन मूल्यों को सामाजिक जीवन में पुनर्प्रतिष्ठित करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है और साथ ही वह समाज से जड़ता और निष्क्रियता को दूर करने के लिए संगठन की प्रक्रिया द्वारा उसे सक्रिय बनाने का भी कार्य कर रहा है। संघ सामाजिक जीवन के किसी भी क्षेत्र को अस्पृश्य नहीं मानता बल्कि प्रत्येक क्षेत्र को परिष्कृत और परिमार्जित कर उसमें श्रेष्ठता को प्रतिष्ठित करने के उद्देश्य के साथ कार्य कर रहा है। इसीलिए वह इन तर्कों को स्वीकार नहीं करता कि किसी क्षेत्र विशेष में संघ को सक्रिय नहीं होना चाहिए या किसी क्षेत्र विशेष तक ही संघ को सीमित रहना चाहिए आदि। संघ समाज को खंड रूप में नहीं बल्कि उसकी संपूर्णता में देखता है और इसीलिए उसकी सेवा के किसी भी क्षेत्र को वह उपेक्षित नहीं करता। पूज्य तनसिंह जी द्वारा प्रदत्त दर्शन और कार्यप्रणाली समाज की सर्वांगीण आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए है और उसी को क्रियान्वित करने के लिए श्री क्षत्रिय युवक संघ संगठन रूपी सामर्थ्य को जुटा रहा है। आएं, हम भी अपनी सज्जनता को एक पक्षीय बनने से रोकें और उसे सक्रिय बनाने की इस प्रक्रिया में शामिल हों।

सामतरा (गुजरात) में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित

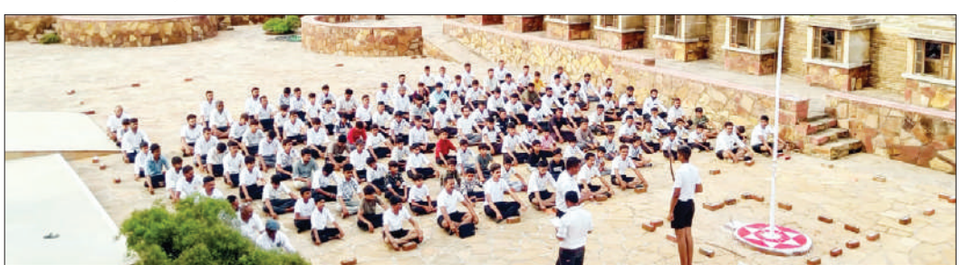

सौराष्ट्र कच्छ संभाग में भुज के निकट स्थित सामतरा गांव में श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 12 से 14 जुलाई तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन जयपाल सिंह धोलेरा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि हम शरीर से इस शिविर में आ गए हैं लेकिन यहां जो शिक्षण आपको दिया जा रहा है वह सार्थक तभी होगा जब आप मन से भी शिविर में रहे। संघ हमारे भीतर सुप्त क्षत्रियत्व के गुणों को जागृत करने का कार्य कर रहा है। शौर्य, तेज, धैर्य, दक्षता, संघर्षप्रियता, दानशीलता, ईश्वरीय भाव आदि क्षत्रियोचित गुणों का अभ्यास आपको यहां इस शिविर में करवाया जा रहा है। हमारे गौरवशाली इतिहास और संस्कृति से भी आपको परिचित कराया जाएगा जिसके माध्यम से आपमें आत्मगौरव के साथ-साथ कर्त्तव्यपालन की भावना को सिंचित किया जा सके। उन्होंने कहा कि संस्कारों के निर्माण के लिए निरंतर अभ्यास आवश्यक है इसलिए संघ की शाखा में अवश्य जाएं और बार-बार शिविरों में आते रहें। शिविर में सामतरा, नाणा रेहा, भुजपर, जांबूडी सहित क्षेत्र के विभिन्न गांवों के 129 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। स्थानीय समाजबंधुओ ने मिलकर व्यवस्था में सहयोग किया।

छोटी सादड़ी मंडल में संपर्क यात्रा का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के वागड़-मालवा सम्भाग के प्रतापगढ़ प्रान्त के छोटीसादड़ी मण्डल में 13 जुलाई को संपर्क यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा के दौरान जलोदा (जागीर), हड़मतिया कुंडाल और चंडी माता मंदिर परिसर बरोल में विशेष शाखाएं आयोजित की गईं एवं समाजबंधुओं को श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए क्षेत्र में हो रही सांघिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। सभी स्थानों पर सामूहिक यज्ञ भी किया गया। उदयपुर संभाग प्रमुख भँवर सिंह बेमला व वागड़ मालवा संभाग प्रमुख टैंक बहादुर सिंह गेहूँवाड़ा सहयोगियों सहित यात्रा में शामिल रहे।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	**प्रा.प्र.शि.**	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	विद्यालय भवन, **मेहराजोत,** चांधन, जैसलमेर **रूट (1).** जैसलमेर से भैंसड़ा के लिए वाया मेहराजोत बस है। **(2).** चांधन से बाड़मेर जाने वाली बस मेहराजोत होकर जाती है। **(3).** फलसुंड से जैसलमेर जाने वाली बस मेहराजोत होकर निकलती है।
02.	**प्रा.प्र.शि.**	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	**धानेली, जैसलमेर** (जैसलमेर, खुहड़ी, म्याजलार, झिनझिनयाली से आने वाले शिवरार्थी बैरसियाला फांटा उतरें, वहां से धानेली के लिए वाहन की व्यवस्था रहेगी।) **संपर्क सूत्र** - 7568681821, 8107090065
03.	**प्रा.प्र.शि.**	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	कंवर सा बावजी सम्पत सिंह जी फॉर्म हाउस, **बिकलाई, जैतारण,** जिला-ब्यावर (जैतारण से टेम्पो, जीप रामावास तक के लिए उपलब्ध है। वहां से 3 किमी दूर शिविर स्थल के लिए वाहन की व्यवस्था रहेगी।) **संपर्क** -जितेन्द्र सिंह रायपुर - 8005715150, अजित सिंह रुदिया - 9784475660
04.	**प्रा.प्र.शि.**	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	खारिया, रामसर, बाड़मेर (रामसर से चौहटन मार्ग पर स्थित)
05.	**प्रा.प्र.शि.**	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	देवेंद्र सिंह हरपालसर फार्म हाउस (6 एपीएम), **अनूपगढ़, पूगल** (बसें उपलब्ध हैं एवं बाड़ा कॉलोनी से टैक्सी व्यवस्था उपलब्ध है) **संपर्क**- हुकम सिंह पुंदलसर - 8696545593
06.	**प्रा.प्र.शि.**	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	पंचायत भवन कोलासर, **पूगल** (शिविर स्थल के लिए बीकानेर से 1:15 व 3:15 बजे, बज्जू से 2:15 बजे एवं नोखा से 2:30 बजे बस उपलब्ध है)। **संपर्क सूत्र** - 6350486708
07.	**प्रा.प्र.शि.**	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	राजपूत कोटडी, **आकोली,** चितलवाना (सांचौर से बस की सुविधा है) **संपर्क सूत्र** - ईश्वर सिंह चौरा - 9982411848 महिपाल सिंह आकोली - 9772615972
08.	**प्रा.प्र.शि.**	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	पायली, रतनगढ़, बीकानेर मार्ग पर **सम्पर्क** - सुपेन्द्र सिंह पायली - 9929665232
09.	**प्रा.प्र.शि.**	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	राजपूत सभा भवन, परेवड़ी, (कुचामन) संपर्क सूत्र - राजेन्द्र सिंह परवड़ी 9672362121
10.	**प्रा.प्र.शि.**	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	चाबा, शेरगढ़, जोधपुर (शेरगढ़-फलसूंड मार्ग पर) **सम्पर्क सूत्र** - भैरूं सिंह चाबा - 9001938999
11.	**प्रा.प्र.शि.**	08.08.2025 से 11.08.2025 तक	चूली, बाड़मेर (बाड़मेर-हरसाणी मार्ग पर)
12.	**प्रा.प्र.शि.**	14.08.2025 से 17.08.2025 तक	फरड़ोली बड़ी, जिला - सीकर (सीकर से पाटोदा वाया सिहोट जाने वाले बस मार्ग पर)
13.	**प्रा.प्र.शि.**	14.08.2025 से 17.08.2025 तक	मेड ईजी स्कूल, **बंधवारी,** सेक्टर 58 & 59 के पास, गुरुग्राम, हरियाणा। (नजदीकी मेट्रो स्टेशन 55 व 56 से बस की व्यवस्था होगी) **संपर्क सूत्र** - 9650250458, 9116535640, 8440028074
14.	**प्रा.प्र.शि.**	14.08.2025 से 17.08.2025 तक	SDDS किड्स करियर, बांसडीह, बलिया उत्तरप्रदेश
15.	**प्रा.प्र.शि.**	15.08.2025 से 17.08.2025 तक	अह्वा इन्टरनेशनल स्कूल, संतरामपुर (गुजरात) **सम्पर्क सूत्र :** सहदेवसिंह मूली- 9925784487 कुलदीपसिंह उन्डवा- 9427189933
16.	**प्रा.प्र.शि.**	15.08.2025 से 17.08.2025 तक	जी. आर. भगत हाई स्कूल, भादरवा, बरोड़ा (मध्य गुजरात संभाग)। **सम्पर्क** - नितिनसिंह भादरवा- 9427602297 अरविन्दसिंह काणेटी- 9924648743
17.	**प्रा.प्र.शि.**	15.08.2025 से 17.08.2025 तक	नासिक (महाराष्ट्र)। **नोट:** 14 अगस्त की शाम तक शिविर स्थल पहुँचना है। **सम्पर्क**- तेजपालसिंह सोढ़ा- 9225143161
18.	**प्रा.प्र.शि.**	15.08.2025 से 18.08.2025	चामुण्डा माता जी मंदिर - धणा, तहसील - सुमेरपुर, जिला - पाली (पाली से सुमेरपुर NH हाइवे पर केनपुरा पहुँचे। केनपुरा से 5 किमी दूर स्थित शिविर स्थल के लिए टेम्पो मिलेंगे।) **संपर्क सूत्र** - 9829112991
19.	**प्रा.प्र.शि. (मातृशक्ति)**	15.08.2025 से 18.08.2025 तक	हिण्डोन सिटी, करौली। रामपुरा फार्म हाउस, वृन्दावन रिसोर्ट के पास, महवा रोड़ (जयपुर, करौली, भरतपुर, अलवर से बस सेवा) **सम्पर्क** - अजयसिंह सोलंकी- 8079057547 रामचन्द्रसिंह चौहान - 6375325425
20.	**प्रा.प्र.शि.**	15.08.2025 से 18.08.2025 तक	राजपूत धर्मशाला, चौथ का बरवाड़ा, जिला - सवाई माधोपुर। रेल तथा बस मार्ग जयपुर से सवाई माधोपुर। **सम्पर्क** - उपेन्द्रसिंह राजावत- 9460441614 विजेन्द्रसिंह - 8619458068
21.	**प्रा.प्र.शि.**	15.08.2025 से 18.08.2025 तक	सूरत (गुजरात)
22.	**प्रा.प्र.शि.**	15.08.2025 से 18.08.2025 तक	मांडलगढ़, भीलवाड़ा (भीलवाड़ा से बस है) **सम्पर्क सूत्र** - 9414576955, 9602899035
23.	**प्रा.प्र.शि. (मातृशक्ति)**	15.08.2025 से 17.08.2025 तक	बिलोदरा, मेहसाणा (गुजरात)
24.	**प्रा.प्र.शि.**	15.08.2025 से 18.08.2025 तक	बीजापुर, मेहसाणा (गुजरात)
25.	**प्रा.प्र.शि.**	15.08.2025 से 18.08.2025 तक	हिंगलाज माता मंदिर धनकवाड़ा (दियोदर से बस द्वारा)
26.	**प्रा.प्र.शि.**	22.08.2025 से 25.08.2025 तक	आसारानाडा, जोधपुर (जोधपुर-जयपुर रेल मार्ग पर) **संपर्क** - विक्रम सिंह आसारानाडा
27.	**प्रा.प्र.शि.**	23.08.2025 से 25.08.2025 तक	राजपूत छात्रावास, भावनगर (गुजरात)
28.	**प्रा.प्र.शि.**	30.08.2025 से 02.09.2025	महादेव मंदिर तेजावास रानीवाड़ा, जिला - जालौर (मालवाड़ा ओवर ब्रिज के पास से भीनमाल-रानीवाड़ा हाईवे से दो किमी अंदर) **संपर्क**- सुरेंद्र सिंह तेजावास - 9920208010 शैतानसिंह (फ्र) तेजावास - 9352480870 रेवन्तसिंह जाखड़ी - 7665005702
29.	**प्रा.प्र.शि.**	30.08.2025 से 02.09.2025 तक	तुलसी चौराहा, डीगाड़ी, जोधपुर (पावटा, जोधपुर शहर से टैम्पो उपलब्ध है)
30.	**प्रा.प्र.शि.**	30.08.2025 से 02.09.2025 तक	बापिणी, फलोदी (ओसियां से आऊ बस मार्ग पर)
31.	**प्रा.प्र.शि.**	30.08.2025 से 02.09.2025 तक	कारंगा छोटा, सीकर (सीकर, फतेहपुर से कारंगा के लिए बस है) **संपर्क**- भगवान सिंह कारंगा 9460912756
32.	**प्रा.प्र.शि.**	30.08.2025 से 02.09.2025 तक	राजपूत छात्रावास, डांगपाड़ा, बांसवाड़ा (उदयपुर बांसवाड़ा मुख्य मार्ग पर लियो कॉलेज के सामने)
33.	**प्रा.प्र.शि.**	30.08.2025 से	झालावाड़ **संपर्क सूत्र** - 8784812312
34.	**प्रा.प्र.शि.**	30.08.2025 से 02.09.2025 तक	राजपूत समाज भवन, स्यार, केकड़ी (केकड़ी, सरवाड़, फतेहगढ़ से जुड़ा हुआ। **संपर्क सूत्र** - 9680307647
36.	**प्रा.प्र.शि.**	30.08.2025 से 02.09.2025 तक	स्थान मार्ग आदि - पीण्डीया, धड़वा नाडा आश्रम, नागौर (खाटू-नागौर व खाटू-सांजू मार्ग पर) संपर्क - डॉ भंवर सिंह पीण्डीया
37.	**प्रा.प्र.शि.**	30.08.2025 से 02.09.2025 तक	चौहानों की ढाणी, सोहडा, बालोतरा (बायतु से बस द्वारा गिड़ा पहुंचें, आगे साधन उपलब्ध रहेगा।)

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

झाड़ोल में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की उदयपुर इकाई की दो दिवसीय कार्यशाला 19-20 जुलाई को झाड़ोल स्थित सोहन बाग रिसॉर्ट में आयोजित हुई। कार्यशाला में श्री क्षत्रिय युवक संघ एवं श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन का परिचय दिया गया एवं उदयपुर में फाउंडेशन की आगामी कार्ययोजना की रूपरेखा बनाई गई। समाज की समस्याओं, कुरीतियां एवं युवाओ की समाज में भूमिका और कार्यशालाओं की महत्ता आदि विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। 20 जुलाई को प्रतिभागियों ने कमलनाथ महादेव मंदिर का भ्रमण किया एवं वहाँ के ऐतिहासिक महत्व के बारे में जाना। बैठक में फाउंडेशन के उदयपुर-राजसमंद जिला प्रभारी भानु प्रताप सिंह झीलवाड़ा, शूरवीर सिंह सोडावास, खुशवंत सिंह नाकोरिया, महिपाल सिंह बाबरीखेड़ा, सहित स्थानीय सहयोगियों ने भाग लिया।

कल्याणपुर में जिला स्तरीय राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

बालोतरा जिले के कल्याणपुर कस्बे में नागाणा रोड़ स्थित राजपूत छात्रावास प्रांगण में श्री जगदम्बा राजपूत छात्रावास सेवा समिति के तत्वावधान में बालोतरा जिला स्तरीय राजपूत समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 6 जुलाई को हुआ। समारोह में वर्ष 2024-25 में सेवानिवृत्त होने वाले व नवचयनित सरकारी अधिकारी/कर्मचारी और दसवीं, बारहवीं व उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद मानवेन्द्र सिंह जसोल ने कहा कि हमें शिक्षा के साथ खेल जगत में भी समाज की प्रतिभाओं को तराशने पर ध्यान देना चाहिए। प्रत्येक क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन और मार्गदर्शन मिलते रहना चाहिए। सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल ने बालिका शिक्षा को लेकर समाज में जागृति बढ़ाने का आह्वान किया। पचपदरा विधायक अरुण चौधरी ने कहा कि राजपूत समाज सभी को साथ लेकर चलने वाला समाज है। उन्होंने अपने विधायक कोष से संस्थान के विकास हेतु प्रति वर्ष 11 लाख रुपयों के सहयोग की घोषणा भी की। डॉ गरिमा सिसोदिया नेवाई, विशन सिंह चादेसरा (तहसीलदार, गिड़ा), नीलम कंवर विशाला (नायब तहसीलदार, सिवाना), राजेन्द्र सिंह रनिया देशीपुरा (नायब तहसीलदार, जैसलमेर) ने भी अपने विचार रखे। समारोह में कान सिंह कोटड़ी (पूर्व विधायक सिवाना), सेवानिवृत्त कर्नल मनोहर सिंह कोरणा, भवानी सिंह टापरा, नागणेच्या मन्दिर नागाणा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह थोब, मोहन सिंह बुड़ीवाड़ा, पूर्व प्रधान भगवत सिंह जसोल, संस्थान के संरक्षक राव नटवर सिंह कल्याणपुर, नवचयनित आईएएस त्रिलोक सिंह करनोत भाखरी, नवचयनित लेफ्टिनेंट रणछोड़ सिंह धर्मसर सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे। संस्थान के अध्यक्ष पूर्व प्रधान हरी सिंह उमरलाई ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मंच संचालन व्याख्याता मोहनसिंह सांखला एवं व्याख्याता शंकर दयाल सिंह चारलाई खुर्द ने किया। संस्थान के संरक्षक राव नटवर सिंह कल्याणपुर ने सभी का आभार प्रकट किया। जीवराज सिंह सांखला आराबा नागणेच्या, गणपत सिंह रनिया देशीपुरा, बलवंत सिंह चांदराई, नारायण सिंह ढाणी सांखला, चेनपाल सिंह रावली ढाणी, भंवर सिंह ढाणी सांखला, सुमेर सिंह धर्मसर, महेंद्र सिंह बेवटा आदि ने व्यवस्था में सहयोग किया।

सामी में हुआ स्वाभिमान संकल्प सम्मेलन, महाराव शेखाजी की प्रतिमा होगी स्थापित

सीकर जिले के सामी गांव में स्थित श्री महाराव शेखाजी सभा भवन में 13 जुलाई को स्वाभिमान संकल्प सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें धोद विधानसभा क्षेत्र के 102 गांवों से समाजबंधु और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। श्री महाराव शेखाजी सेवा संस्थान के तत्वावधान में संपन्न हुई इस बैठक में विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई, साथ ही सामी गांव में शेखावाटी के संस्थापक महाराव शेखाजी की अश्वारोही प्रतिमा लगाने का संकल्प लिया गया। बैठक का संचालन करते हुए सामी सरपंच सुरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि अक्टूबर में महाराव शेखाजी की जयंती पर भव्य समारोह का आयोजन किया जाएगा और उसी समारोह में प्रतिमा का अनावरण भी किया जाएगा। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर समाज के वरिष्ठ सदस्यों को इसके लिए जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में पूर्व उप जिला प्रमुख शोभ सिंह अनोखू, कांग्रेस नेता भागीरथ सिंह जेरठी, अध्यक्ष राजपूत सभा धोद प्रभु सिंह सेवद, चेयरमैन धोद अमर सिंह कर्णावत, उप प्रधान धोद भंवर सिंह, जयपाल सिंह मांडोता, राजवीर सिंह, दयाल सिंह, जसुपुरा सरपंच जितेंद्र सिंह, विक्रम सिंह, बृजेंद्र सिंह, छोटी लोसल सरपंच भागीरथ सिंह राठौड़, खाखोली सरपंच गोपाल सिंह, रघुनाथ सिंह, भंवर सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

(पृष्ठ एक का शेष)

संघ का अर्थ संगठन है, अकेला व्यक्ति संघ नहीं बना सकता है। संघ ने हमारा दायरा विस्तृत कर हमें एक वृहद परिवार का अंग बना दिया है क्योंकि संघ स्वयं में एक बहुत बड़ा परिवार है। परिवार में खटपट भी हो सकती है लेकिन हमें अपने तपोबल से ऐसी खटपट को मिटाना चाहिए। दायित्व पाकर हमें आदेशात्मक भाषा में ही बात नहीं करनी है बल्कि अपने व्यवहार को स्नेह पूर्ण बनाना है। परिवार स्नेह से ही बनता है। यदि परिवार में आपस में कलह होती रहे, तो हमारा कार्य सांप सीढ़ी का खेल बन कर रह जाता है। इसलिए संघ द्वारा दिए गए दायित्व का पालन करते समय हमें पिता के अनुशासन और माता के स्नेह को अपने व्यवहार में धारण करते हुए संघ रूपी परिवार में कार्य करना है। बैठक में केंद्रीय कार्यकारी, संभाग प्रमुख, प्रांत प्रमुख एवं विभागीय प्रभारी शामिल हुए और संघप्रमुख श्री के निर्देशन में वर्ष भर के लिए कार्ययोजना तैयार की। बैठक में विभिन्न सत्रों में हुई चर्चा में संख्या की अपेक्षा शिक्षण की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान देने की बात कही गई। साथ ही, संभाग प्रमुख व प्रांत प्रमुख के दायित्व पर चर्चा में मासिक प्रतिवेदन समय पर भेजने, अपने कार्यक्षेत्र में नियमित यात्रा करने, सहयोगियों से नियमित संपर्क बनाए रखने, क्षेत्र में लगने वाली शाखाओं का नियमित निरीक्षण करने, संभाग व प्रांत में लगने वाले प्रत्येक शिविर में कम से कम एक दिन के लिए शामिल होने, स्वयं भी नियमित शिविर करने, स्वयंसेवकों के मिलन कार्यक्रम आयोजित करने एवं सहयोगियों को दिए गए कार्य की प्रगति की नियमित समीक्षा करने की बात कही गई। 2 फरवरी 2026 को पूज्य भगवान सिंह जी की स्मृति में स्मारिका का विमोचन करने का भी निर्णय किया गया। पूर्व संघ प्रमुखों की जयंतियां और संघ स्थापना दिवस मनाने पर भी चर्चा हुई। पथप्रेरक संघशक्ति सदस्यता अभियान के लक्ष्य भी निश्चित किए गए। संभाग अनुसार शिविरों के प्रस्ताव भी लिए गए। केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने केंद्रीय कार्यकारी, संभाग प्रमुख, प्रांत प्रमुख, विभाग प्रभारी आदि के दायित्व के बारे में समझाया। मातृशक्ति विभाग प्रभारी जोरावर सिंह भादला ने मातृशक्ति शिविर के स्थान के चयन के समय ध्यान रखने वाली बातें बताई।

संघ रूपी...

मांजने और निर्मल बनाने की यह प्रक्रिया साधना का मार्ग है, तपस्या का मार्ग है, जो कष्टकारी होता है। लेकिन नारायण सिंह जी सारे कष्टों को सहन करते हुए भी सदैव तनसिंह जी के साथ बने रहे, क्योंकि उन्होंने यह ठान लिया था कि यदि मेरे जीवन का कल्याण हो सकता है तो तनसिंह जी के साथ रहकर ही हो सकता है। जिसका ऐसा दृढ़ संकल्प हो उसके मार्ग में कोई भी बाधा टिक नहीं सकती। यही नारायण सिंह जी के साथ भी हुआ। 1969 में बोरुंदा उच्च प्रशिक्षण शिविर में तनसिंह जी ने नारायणसिंह जी को मात्र 29 वर्ष की आयु में संघप्रमुख बना दिया। लेकिन नारायण सिंह जी ने कभी अपने आपको संघप्रमुख नहीं माना बल्कि तनसिंह जी के आदेशानुसार ही सारा कार्य करते रहे। 1979 में पूज्य तनसिंह जी के देहावसान के पश्चात नारायणसिंह जी में योग जागृत हुआ। जिनके लिए कई जन्मों तक तपस्या करनी पड़ती है, वे सभी यौगिक क्रियाएं उनको स्वतः होने लगी। जब योग जागृत हुआ तब संघ के जीवन दर्शन में निहित योग का अर्थ भी स्पष्ट होने लगा। जब उनसे पूछा जाता कि उन्होंने ऐसा क्या किया जिससे उनमें योग जागृत हुआ तो वे सदैव यही कहते थे मैंने केवल तनसिंह जी के आदेश का पालन किया और वह आदेश है - संघकार्य। नारायण सिंह जी ने परिवार सहित जीवन के समस्त क्षेत्रों पर सदैव संघ को प्राथमिकता दी। क्या हम ऐसी प्राथमिकता निर्धारित कर सकते हैं? क्या हम उनके जैसा साहस कर पाते हैं? यदि नहीं कर पाते हैं तो करना शुरू करें, तभी हम भी असाधारण बनने के मार्ग पर अग्रसर हो सकेंगे। हम भी उनसे प्रेरणा लेकर उनकी ही भांति संघकार्य करना प्रारंभ कर दें तो हम भी वही प्राप्त कर सकते हैं जो नारायण सिंह जी ने प्राप्त किया। वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय अजीत सिंह जी धोलेरा ने श्रद्धेय नारायण सिंह जी के जीवन के संस्मरण साझा किए। कार्यक्रम में सुरेंद्रनगर सहित आस पास के गांवों से समाजबंधु मातृशक्ति सहित शामिल हुए।

(श्रद्धेय नारायण सिंह जी रेडा की जयंती के उपलक्ष्य में अनेक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित हुए जिनके विस्तृत समाचार अगले अंक में प्रकाशित किए जाएंगे।)

बालोतरा संभाग की कार्ययोजना बैठक सम्पन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के बालोतरा संभाग की कार्ययोजना बैठक 13 जुलाई को वरिष्ठ स्वयंसेवक वीर सिंह इन्द्राणा के निवास पर आयोजित हुई। बैठक में संभाग प्रमुख मूलसिंह काठाड़ी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयंसेवकों से चर्चा कर वर्ष भर की कार्ययोजना तैयार की एवं कहा कि प्रत्येक स्वयंसेवक वर्ष भर इन कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाएगा, तभी यह कार्ययोजना क्रियान्वित हो सकेगी और पूज्य तनसिंह जी के संदेश को हम घर-घर तक पहुंचाने में सफल होंगे। उन्होंने प्रत्येक स्वयंसेवक से नियमित शाखा में जाने एवं वर्ष भर में कम से कम तीन शिविरों में प्रशिक्षण लेने की बात कही। बैठक में वरिष्ठ स्वयंसेवक अमर सिंह अकली, चंदन सिंह चांदेसरा, बालोतरा प्रांत प्रमुख गोविंद सिंह गुगड़ी, सिवाणा प्रांत प्रमुख मनोहर सिंह सिणेर, बायतु प्रांत प्रमुख मूल सिंह चांदेसरा एवं अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

तन्निष्ठा जोधा का एशियन कैडेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए चयन

नागौर जिले के आंतरोली गांव की मूल निवासी एवं वर्तमान में जयपुर में निवासरत ताइक्वांडो खिलाड़ी तन्निष्ठा जोधा का चयन मलेशिया में आयोजित होने वाली 6वीं एशियन कैडेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप - 2025 के लिए हुआ है। तन्निष्ठा ने पिछले दो वर्षों में विभिन्न राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 7 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक अर्जित किए हैं। अपने अनुशासन, समर्पण और तकनीकी दक्षता से तन्निष्ठा ने स्वयं को भारत की शीर्ष ताइक्वांडो खिलाड़ियों में स्थापित किया है। तन्निष्ठा के संरक्षक रणजीत सिंह जोधा, जो स्वयं भी ताइक्वांडो के वरिष्ठ प्रशिक्षक रहे हैं, ने उनकी सफलता में अहम भूमिका निभाई है।

अखंड राजपूताना सेवा संघ की प्रांतीय बैठक आयोजित

अखंड राजपूताना सेवा संघ की प्रांतीय बैठक उदयपुर स्थित होटल आराम महल में 10 जुलाई को आयोजित हुई। बैठक में 12 एवं 13 सितंबर 2025 को रामनगर, उत्तराखंड में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय बिजनेस अधिवेशन को लेकर विचार विमर्श कर रूपरेखा बनाई गई। बैठक को संबोधित करते हुए संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर आरपी सिंह ने समाजबंधुओं से आर्थिक रूप से सक्षम होने के लिए व्यापार एवं वाणिज्य के क्षेत्र में सक्रिय होने का आह्वान किया। पूर्व जिला प्रमुख चंदन सिंह देवड़ा ने तकनीकी, औद्योगिक एवं व्यापारिक क्षेत्र में प्रगति के विषय में विचार रखे। बैठक में सर्वसम्मति से यशवर्धनसिंह राणावत को उदयपुर जिला अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर जिला संरक्षक मोतीसिंह भाटी, प्रांतीय अध्यक्ष हनुमतसिंह सोलंकी, प्रांत महासचिव डॉक्टर उदयसिंह डिंगार, करणसिंह राठौड़, मांगूसिंह बावली, राम सिंह देवड़ा, पुष्पराजसिंह शक्तावत, नरेंद्रसिंह सोलंकी, रणधीर सिंह, आकाशसिंह सिसोदिया, रामसिंह चौहान, मूल सिंह देवड़ा , राजेशसिंह सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

जैसलमेर में युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा 13 जुलाई को जैसलमेर स्थित संघ कार्यालय 'तनाश्रम' में 'संघ समाज और युवा शक्ति' विषय पर युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया एवं कार्यक्रम की भूमिका बताते हुए कहा कि युवा शक्ति की समाज में भागीदारी बढ़े और उनकी ऊर्जा का प्रवाह समाज सापेक्ष बने, इसीलिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर संवाद का अवसर जुटाया जा रहा है। समाज को लेकर हमारा जो चिंतन है, उस चिंतन को हम आपसी संवाद के माध्यम से साझा करें जिससे वह चिंतन अधिक गहरा और व्यापक बन सके। उसके बाद हमारा निरंतर संपर्क भी बना रहे जिससे उस चिंतन को धरातल क्रियान्वित करने का मार्ग मिल सके। उन्होंने युवा शक्ति को शाखा व शिविर के माध्यम से श्री क्षत्रिय युवक संघ से जुड़ने की बात भी कही। कार्यक्रम में फाउंडेशन के जैसलमेर जिला प्रभारी कमल सिंह भैंसड़ा सहित चंद्रवीर सिंह हमीरा, जोगराज सिंह सिंहडार, कंवराज सिंह डेलासर, गोपाल सिंह कूंडा, छात्र नेता पेंप सिंह गजसिंह का गांव एवं अन्य युवा समाजबंधु उपस्थित रहे।

जालौर जूडो संघ के अध्यक्ष बने नारनाडी, भवरानी को सचिव का दायित्व

राजस्थान राज्य जूडो संघ की जालौर जिला कार्यकारिणी की बैठक 17 जुलाई को आयोजित हुई जिसमें श्रवण सिंह नारनाडी को अध्यक्ष एवं गणपत सिंह भवरानी को सचिव निर्वाचित किया गया। पूरण सिंह राठौड़ ने चुनाव अधिकारी का दायित्व निभाया।

कोमल शेखावत ने कोर्फबॉल में किया भारत का प्रतिनिधित्व

झुंझुनूं निवासी कोमल शेखावत पुत्री अजीत सिंह शेखावत ने चीन के लिशान प्रांत में 15 से 19 जुलाई तक आयोजित एशिया कोर्फबॉल चैंपियनशिप (अंडर 19) में भारत का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में भारत के अतिरिक्त चीन, हॉन्गकोंग, मलेशिया, ताइपे और थाईलैंड की टीमों ने भाग लिया।

केकड़ी में जगदंबा छात्रावास सभा का गठन

केकड़ी (अजमेर) में 13 जुलाई को केकड़ी, सरवाड़, भिनाय, सावर व टांटोटी तहसीलों के समाजबंधुओ की आमसभा का आयोजन किया गया जिसमें केकड़ी स्थित जगदंबा राजपूत छात्रावास के सुचारू संचालन एवं प्रबंधन के लिए 'जगदंबा छात्रावास सभा' के गठन का निर्णय लिया गया। भूपति सिंह सापुण्दा को सर्वसम्मति से सभा का अध्यक्ष चुना गया। बैठक में छात्रावास के विकास, अनुशासन, शिक्षा आदि विषयों पर भी चर्चा की गई। शिव सिंह पीपरोली, वीरेंद्र सिंह बांदनवाड़ा, वीरभद्र सिंह बघेरा, विजय राज सिंह जालिया, जसवंत सिंह डोराई, रूप सिंह सापुण्दा, प्रभाकरण सिंह बिसुंदनी सहित अनेक समाजबंधु कार्यक्रम में शामिल हुए।

ॐ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात्॥

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

जन्म
13.04.2000

महाप्रयाण
10.07.2025

शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिराज सिंह देवड़ा

पुत्र ठा. जसवंतसिंह देवड़ा खिवांदी (पाली)

मोहब्बत सिंह धींगाना	हीर सिंह लोड़ता	दिग्विजय सिंह कोलीवाड़ा	अजयपाल सिंह गुड़ा पृथ्वीराज	महिपाल सिंह बासनी
ओम सिंह खारिया सोढ़ा	चैन सिंह मालारी	विक्रम सिंह भीटवाड़ा	इन्द्रसिंह कानपुरा	नरेन्द्र सिंह पावा
शूरवीर सिंह खिंदारा गांव	महिपाल सिंह खुणी गुड़ा	गजेन्द्र सिंह सारंगवास	रूपेन्द्र सिंह सारंगवास	मनोहर सिंह निंबली उड़ा
कुंदन सिंह खैरवा	गोविंद सिंह बिठुड़ा	मानवेन्द्र सिंह खोखरा	अजीत सिंह रूदिया	विचित्र सिंह मगरतलाब

श्री क्षत्रिय युवक संघ पाली संभाग, श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन, जिला-पाली

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org